



सत्यमेव जयते

राजस्थान राज-पत्र  
विशेषांक

RAJASTHAN GAZETTE  
Extraordinary

साधिकार प्रकाशित

Published by Authority

ज्येष्ठ 17, गुरुवार, शाके 1934-जून 7, 2012  
Jyaishta 17, Thursday, Saka 1934-June 7, 2012

भाग 4 (ग)

उप-खण्ड (I)

राज्य सरकार तथा अन्य राज्य-प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये  
(सामान्य आदेशों, उप-विधियों आदि को सम्मिलित करते हुए)  
सामान्य कानूनी नियम।

प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग

(ग्रुप-1)

अधिसूचना

जयपुर, जून 7, 2012

जी.एस.आर. 16:—राजस्थान सुनवाई का अधिकार अधिनियम, 2012 (2012 का अधिनियम सं. 22) की धारा 12 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार, इसके द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.— (1) इन नियमों का नाम राजस्थान सुनवाई का अधिकार नियम, 2012 है।

(2) ये 11 जून, 2012 से ही प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से राजस्थान सुनवाई का अधिकार अधिनियम, 2012 (2012 का अधिनियम सं. 22) अभिप्रेत है;

(ख) “केन्द्र” से अधिनियम की धारा 5 के अधीन स्थापित सूचना और सुगम केन्द्र अभिप्रेत है;

(ग) “प्ररूप” से इन नियमों से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है; और

(घ) “धारा” से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है।

(2) इन नियमों में प्रयुक्त किये गये किन्तु परिभाषित नहीं किये गये शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो उन्हें अधिनियम में समनुदिष्ट किया गया है।

**3. परिवाद.—**(1) कोई व्यक्ति, जो अधिनियम के अधीन सुनवाई चाहता है, प्ररूप 1 में या सादे कागज पर परिवादी का नाम और पता और परिवाद की विशिष्टियां विनिर्दिष्ट करते हुए, लोक सुनवाई अधिकारी को परिवाद प्रस्तुत करेगा।

(2) परिवाद लोक सुनवाई अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी या कर्मचारी या केन्द्र के प्रभारी के द्वारा प्राप्त किया जायेगा।

(3) लोक सुनवाई अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति या केन्द्र उस व्यक्ति को, जो परिवाद फाइल करना चाहता है, प्ररूप 1 उपलब्ध करायेगा और प्ररूप 1 को भरने में या, यथास्थिति, सादा कागज पर परिवाद करने में उसकी सहायता करेगा।

(4) परिवाद की प्राप्ति पर प्रत्येक परिवाद पर, लोक सुनवाई अधिकारी या उस व्यक्ति द्वारा, जो परिवाद प्राप्त करता है, एक विशिष्ट रजिस्ट्रीकरण संख्यांक दिया जायेगा और ऐसा विशिष्ट रजिस्ट्रीकरण संख्यांक सभी स्तरों पर अर्थात् परिवाद की सुनवाई, प्रथम अपील, द्वितीय अपील और पुनरीक्षण में प्रयुक्त किया जायेगा।

**4. अभिस्वीकृति.—** परिवाद की प्राप्ति पर लोक सुनवाई अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति या केन्द्र, प्ररूप 2 में परिवादी को परिवाद की अभिस्वीकृति देगा।

**5. परिवाद का अन्तरण.—** जहां कोई परिवाद लोक सुनवाई अधिकारी को किया जाता है और उसका यह विचार है कि परिवाद की विषयवस्तु दूसरे लोक सुनवाई अधिकारी के कृत्यों से संसक्त है या दूसरे लोक सुनवाई अधिकारी की अधिकारिता में आती है तो वह परिवाद को ऐसे दूसरे लोक सुनवाई अधिकारी को अन्तरित कर देगा और परिवादी को ऐसे अन्तरण के बारे में सात दिन के भीतर सूचित करेगा।

**6. सुनवाई के दिवस.—** प्रत्येक लोक सुनवाई अधिकारी अधिनियम के अधीन प्राप्त परिवादों की सुनवाई के लिए सप्ताह में कम से कम दो दिवस नियत करेगा और उसे उसके कार्यालय के सूचना पट्ट पर प्ररूप 4 में अधिसूचित किया जायेगा।

7. **परिवादों की सुनवाई.**— लोक सुनवाई अधिकारी परिवाद की प्राप्ति पर, नियत समय सीमा के भीतर, परिवादी को सुनवाई का अवसर उपलब्ध करायेगा और उसे विनिश्चित करेगा। लोक सुनवाई अधिकारी नियत समय सीमा के भीतर प्ररूप 4 में अपने विनिश्चय से परिवादी को संसूचित करेगा।

8. **सूचना पट्ट पर सूचना का प्रदर्शन.**— लोक सुनवाई अधिकारी अधिनियम के अधीन सुनवाई से सम्बन्धित समस्त सुसंगत सूचना प्ररूप 4 में सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा। सूचना पट्ट लोक सुनवाई अधिकारी के कार्यालय के किसी सहजदृश्य स्थान पर लगाया जायेगा।

9. **नियत समय सीमा की संगणना.**— इन नियमों के अधीन नियत समय सीमा की संगणना करते समय लोक अवकाशों की गणना नहीं की जायेगी।

10. **सुनवाई उपलब्ध कराने में प्रत्याख्यान या विलम्ब.**— लोक सुनवाई अधिकारी, नियत समय सीमा के भीतर, परिवादी को सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और यदि सुनवाई के अवसर का प्रत्याख्यान किया जाता है या उसमें विलम्ब किया जाता और नियत समय सीमा के भीतर विनिश्चय से संसूचित नहीं किया जाता है तो लोक सुनवाई अधिकारी परिवादी को निम्नलिखित से संसूचित करेगा:—

- (i) ऐसे प्रत्याख्यान का विलम्ब के कारण;
- (ii) वह कालावधि, जिसके भीतर ऐसे प्रत्याख्यान या विलम्ब के विरुद्ध अपील की जा सकेगी; और
- (iii) सुसंगत अपील प्राधिकारी के बारे में जानकारी।

11. **फीस.**— परिवाद, प्रथम अपील या द्वितीय अपील के ज्ञापन और पुनरीक्षण आवेदन के साथ कोई फीस संदेय नहीं होगी।

12. **प्रथम अपील या द्वितीय अपील के ज्ञापन और पुनरीक्षण आवेदन की अन्तर्वस्तु.**— प्रथम अपील या द्वितीय अपील के प्रत्येक ज्ञापन और पुनरीक्षण आवेदन में निम्नलिखित जानकारी विनिर्दिष्ट होगी:—

- (i) अपीलार्थी या यथास्थिति, पुनरीक्षण के आवेदक का नाम और पता;
- (ii) लोक सुनवाई अधिकारी, अधिनियम की धारा 4 की उप-धारा (3) के उपबंधों के अधीन नामनिर्दिष्ट अधिकारी के रूप

में माने गये अधिकारी या कर्मचारी, प्रथम अपील प्राधिकारी या, यथास्थिति, द्वितीय अपील प्राधिकारी, जिसके आदेश के विरुद्ध या जिसने विलम्ब किया या प्रत्याख्यान किया, अपील या पुनरीक्षण किया गया, का नाम और पता;

- (iii) उस आदेश, जिसके विरुद्ध अपील या पुनरीक्षण किया गया, की विशिष्टियां;
- (iv) यदि अपील परिवाद की अभिस्वीकृति के इंकार के विरुद्ध है तो परिवाद की तारीख और उस लोक सुनवाई अधिकारी का नाम और पता जिसे परिवाद प्रस्तुत किया गया था;
- (v) अपील या पुनरीक्षण के आधार;
- (vi) चाहा गया अनुतोष; और
- (vii) कोई अन्य सुसंगत जानकारी जो अपील या पुनरीक्षण के निपटारे के लिये आवश्यक हो।

**13. प्रथम अपील, द्वितीय अपील या पुनरीक्षण के साथ संलग्न किये जाने वाले दस्तावेज.**— अपील के ज्ञापन या पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किये जायेंगे, अर्थात्:—

- (i) उस आदेश, जिसके विरुद्ध अपील या पुनरीक्षण किया गया है, की स्वयं द्वारा अनुप्रमाणित प्रति;
- (ii) अपील के ज्ञापन या पुनरीक्षण आवेदन में उल्लिखित दस्तावेजों की प्रतियां; और
- (iii) अपील के ज्ञापन या पुनरीक्षण आवेदन के साथ संलग्न दस्तावेजों की अनुक्रमणिका।

**14. प्रथम अपील, द्वितीय अपील या पुनरीक्षण को विनिश्चित करने की प्रक्रिया.**— प्रथम अपील, द्वितीय अपील या पुनरीक्षण को विनिश्चित करते समय,—

- (i) सुसंगत दस्तावेजों, लोक दस्तावेजों या उनकी प्रतियों का परीक्षण किया जायेगा;
- (ii) समुचित जांच, यदि अपेक्षित हो, के लिये कोई अधिकारी प्राधिकृत किया जा सकेगा; और
- (iii) लोक सुनवाई अधिकारी या, यथास्थिति, प्रथम अपील प्राधिकारी को पुनरीक्षण में सुना जा सकेगा।

**15. सुनवाई की सूचना की तामील.**— प्रथम अपील, द्वितीय अपील या, यथास्थिति, पुनरीक्षण की सुनवाई की सूचना निम्नलिखित में से किसी भी रीति में तामील की जायेगी, अर्थात्:—

- (i) पक्षकार या स्वयं व्यक्ति द्वारा;
- (ii) आदेशिका तामीलकर्ता के माध्यम से;
- (iii) रसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा; या
- (iv) सम्बन्धित विभाग के माध्यम से।

**16. स्वीय उपसंजाति.**— (1) अपीलार्थी या, यथास्थिति, पुनरीक्षण के आवेदक को सुनवाई की तारीख से, ऐसी तारीख से कम से कम सात पूर्ण दिवस पूर्व सूचित किया जायेगा।

(2) अपीलार्थी या, यथास्थिति, पुनरीक्षण का आवेदक अपील या पुनरीक्षण की सुनवाई के समय व्यक्तिशः उपस्थित हो सकेगा या सुनवाई में उपस्थित नहीं होने का विकल्प दे सकेगा।

(3) यदि यह समाधान हो जाता है कि ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हैं जिनके कारण अपीलार्थी या पुनरीक्षण का आवेदक सुनवाई में उपस्थित होने से निवारित किया गया है तो अंतिम विनिश्चय लेने से पूर्व, अपील या, यथास्थिति, पुनरीक्षण प्राधिकारी द्वारा अपीलार्थी या पुनरीक्षण के आवेदक को सुनवाई का एक अवसर दिया जायेगा या कोई अन्य समुचित कार्रवाई कर सकेगा जो वह उचित समझे।

(4) यदि कोई पक्षकार सुनवाई की नियत तारीख की सूचना की सम्यक् तामील के पश्चात् भी अनुपस्थित रहता है तो अपील या, यथास्थिति, पुनरीक्षण आवेदन उसकी अनुपस्थिति में निपटाया जायेगा।

**17. अपील या पुनरीक्षण में आदेश.**— (1) अपील या पुनरीक्षण का आदेश खुली कार्यवाहियों में सुनाया जायेगा और अपील प्राधिकारी या, यथास्थिति, पुनरीक्षण प्राधिकारी द्वारा लिखित में पारित किया जायेगा।

(2) प्रथम अपील प्राधिकारी के आदेश की प्रति अपीलार्थी को निःशुल्क दी जायेगी।

(3) द्वितीय अपील प्राधिकारी के आदेश की प्रति अपीलार्थी, सम्बन्धित सुनवाई अधिकारी और प्रथम अपील प्राधिकारी को दी जायेगी।

(4) शास्ति अधिरोपित करने के मामले में, द्वितीय अपील प्राधिकारी आदेश की एक प्रति निम्नलिखित को भी पृष्ठांकित करेगा :-

(क) लोक सुनवाई अधिकारी के आगामी वेतन से शास्ति की रकम वसूल करने के निदेश सहित आहरण एवं वितरण अधिकारी को; और

(ख) कोषाधिकारी को।

(5) जहां द्वितीय अपील प्राधिकारी ने लोक सुनवाई अधिकारी या लोक सुनवाई अधिकारी द्वारा प्राधिकृत अधिकारी या कर्मचारी, यथास्थिति, प्रथम अपील प्राधिकारी के विरुद्ध विभागीय जाँच की सिफारिश की है वहाँ वह उसके द्वारा पारित आदेश की प्रति आवश्यक अनुशासनिक कार्रवाई के लिए सम्बन्धित अनुशासनिक प्राधिकारी को भेजेगा।

(6) जहां किसी पुनरीक्षण में द्वितीय अपील प्राधिकारी का आदेश पुनरीक्षित या उपांतरित किया जाता है वहां पुनरीक्षण प्राधिकारी उक्त आदेश की एक प्रति द्वितीय अपील प्राधिकारी और उप-नियम (4) और (5) में विनिर्दिष्ट अधिकारियों को भेजेगा।

**18. शास्ति की वसूली.**—(1) अधिनियम की धारा 7 के अधीन शास्ति के अधिरोपण के आदेश की प्राप्ति पर आहरण एवं वितरण अधिकारी, पुनरीक्षण प्राधिकारी द्वारा पारित किसी आदेश के अध्यक्ष रहते हुए, सम्बन्धित लोक सुनवाई अधिकारी के आगामी वेतन से शास्ति की रकम वसूल करेगा और उसे सरकारी लेखा में निक्षिप्त करेगा तथा चालान की एक प्रति सम्बन्धित द्वितीय अपील प्राधिकारी को भेजेगा।

(2) यदि पुनरीक्षण में द्वितीय अपील प्राधिकारी द्वारा पारित कोई आदेश पुनरीक्षित या उपांतरित किया जाता है तो ऐसे आदेश की प्रति अनुपालन के लिए आहरण एवं वितरण अधिकारी और संबंधित कोषाधिकारी को भेजी जायेगी।

**19. अभिलेख का रखा जाना.**— लोक सुनवाई अधिकारी, प्रथम अपील प्राधिकारी, द्वितीय अपील प्राधिकारी और पुनरीक्षण प्राधिकारी मामलों के अभिलेख प्ररूप 5, प्ररूप 6, प्ररूप 7 या, यथास्थिति, प्ररूप 8 में रखेंगे।

**20. सूचना और सुगम केन्द्र की स्थापना.**—(1) राज्य सरकार सूचना और सुगम केन्द्र की स्थापना कर सकेगी जिसमें ग्राहक सेवा केन्द्र,

काल सेन्टर, हैल्प डेस्क और जन सहायता केन्द्र या कोई भी अन्य ई-मित्र, राजीव गांधी सेवा केन्द्र या सूचना और सुगम केन्द्र के रूप में कार्रवाई करने के लिए प्राधिकृत अन्य संस्थाएं सम्मिलित हो सकेंगी।

(2) यदि परिवाद प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत किसी सूचना और सुगम केन्द्र द्वारा कोई परिवाद प्राप्त किया जाता है तो सूचना और सुगम केन्द्र का प्रभारी उसे तुरन्त संबंधित लोक सुनवाई अधिकारी को अन्तरित करेगा और ऐसे अन्तरण में लगे समय की गणना विहित समय-सीमा में नहीं की जायेगी।

(3) परिवाद पर दिये गये विशिष्ट रजिस्ट्रीकरण संख्यांक और परिवाद पर की गयी कार्रवाई या परिवाद के अन्तरण को जनता की शिकायत की दक्ष और प्रभारी सुनवाई के लिए ऑनलाइन भी किया जायेगा।

(4) परिवादों को प्राप्त करने, रजिस्टर करने और मानीटर करने के लिए राज्य सरकार द्वारा एक राज्य व्यापी नेटवर्क विकसित किया जा सकेगा।

**21. क्रियान्वयन की मानीटरी.**— राज्य सरकार परिवादों की समयबद्ध सुनवाई की केन्द्रीयकृत मानीटरी के लिए और अधिनियम के विभिन्न उपबंधों के क्रियान्वयन और मानीटरी के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग हेतु एक पद्धति विकसित कर सकेगी।

**22. प्रसार और प्रशिक्षण.**— राज्य सरकार, वित्तीय और अन्य स्रोतों की उपलब्धता की सीमा तक:—

- (i) जनता की, विशेषकर अलाभान्वित समुदायों की, समझ विकसित करने के लिए, कि अधिनियम के अधीन अनुध्यात अधिकारों का प्रयोग कैसे किया जाये, प्रचार और कार्यक्रमों को विकसित तथा संचालित कर सकेगी;
- (ii) ऊपर खण्ड (i) में विनिर्दिष्ट कार्यक्रमों के विकास और संचालन में भाग लेने और ऐसे कार्यक्रमों का स्वयं जिम्मा लेने के लिए लोक प्राधिकारियों को प्रोत्साहित कर सकेगी;

- (iii) परिवादों की सुनवाई और परिवादों की समय-सीमा तथा प्रक्रिया के बारे में लोक प्राधिकारियों द्वारा सही सूचना के समयबद्ध और प्रभावी प्रसार को बढ़ा सकेगी;
- (iv) लोक सुनवाई अधिकारी, प्रथम अपील प्राधिकारी, द्वितीय अपील प्राधिकारी और पुनरीक्षक प्राधिकारी को अधिनियम के अधीन उनके कर्तव्यों के सम्बन्ध में प्रशिक्षित कर सकेगी ;
- (v) ऐसी सूचना वाले मार्गदर्शन को, आसानी से समझने योग्य प्ररूप और रीति में, जो अधिनियम के अधीन विनिर्दिष्ट किसी अधिकार के प्रयोग की वांछा करने वाले किसी व्यक्ति द्वारा युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित किया जाये, संकलित कर सकेगी; और
- (vi) ऊपर खण्ड (v) में निर्दिष्ट मार्गदर्शक सिद्धान्तों को नियमित अन्तरालों पर अद्यतन और प्रकाशित कर सकेगी जिसमें विशिष्टतया और खण्ड (v) की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना निम्नलिखित सम्मिलित होगा :-
- (क) अधिनियम के उद्देश्य;
- (ख) रीति और प्ररूप जिसमें लोक सुनवाई अधिकारी को सुनवाई के लिए अनुरोध किया जायेगा या अपील प्राधिकारियों को अपील फाइल की जायेगी;
- (ग) अधिनियम के अधीन सुनवाई का अवसर अभिप्राप्त करने के सम्बन्ध में बनाये गये कोई भी अतिरिक्त विनियम या जारी किये गये परिपत्र।

**23. राज्य सरकार द्वारा निदेश.**—राज्य सरकार अधिनियम के उपबंधों के प्रभावी क्रियान्वयन, अधिनियम के अधीन फाइल किये गये मामलों के अधीक्षण के लिए और लोक सुनवाई अधिकारी, प्रथम अपील प्राधिकारी, द्वितीय अपील प्राधिकारी, पुनरीक्षण प्राधिकारी और आहरण एवं वितरण अधिकारी के कार्यालयों के निरीक्षण के लिए कोई भी निदेश, समय-समय पर जारी कर सकेगी।



## प्ररूप 1

## आवेदन का प्ररूप

(नियम 3 देखिए)

प्रेषिती,

लोक सुनवाई अधिकारी,

.....

.....

(लोक सुनवाई अधिकारी का नाम  
और कार्यालय का पता)

1. परिवादी का नाम: .....
2. पिता का नाम: .....
3. पता: .....
- दूरभाष नं./मोबाइल नं. ....

4. परिवाद:

(क) दावाकृत फायदा या अनुतोष:

.....

.....

.....

(पृथक् पन्ना संलग्न किया जाये)

(ख) अधिकारी और विभाग का नाम जिससे परिवाद संबंधित है:

.....

5. यदि परिवाद के समर्थन में दस्तावेज संलग्न किये हैं तो दस्तावेजों के ब्योरे :

(i)

(ii)

(iii)

6. क्या पूर्व में परिवाद किया है हां/नहीं

(यदि हां, तो अधिकारी/विभाग का नाम दीजिए)

7. पूर्व परिवाद पर प्राप्त जवाब: हां/नहीं

(यदि हां तो जवाब के ब्योरे दीजिए)

8. अन्य कोई सूचना जिसका आवेदक उल्लेख करना चाहे : .....

तारीख: .....

**परिवादी के हस्ताक्षर**

(कृपया अपने परिवाद की अभिस्वीकृति अनिवार्य रूप से प्राप्त करें)

**प्ररूप 2**

**अभिस्वीकृति**

(नियम 4 देखिए)

विशिष्ट रजिस्ट्रीकरण सं. ....

दिनांक : .....

1. परिवादी का नाम: .....
  2. परिवाद के साथ संलग्न दस्तावेजों की सं. ....
  3. परिवाद की सुनवाई के लिए नियत तारीख: .....
  4. कोई अन्य विशिष्टियां जिनका लोक सुनवाई अधिकारी उल्लेख करना चाहे: .....
- स्थान: .....
- दिनांक: .....

**प्राप्तिकर्ता के हस्ताक्षर**

**नाम और मुहर सहित पदनाम**

**प्ररूप 3**

(नियम 7 देखिए)

कार्यालय का नाम/विभाग: .....

सं. ....

दिनांक: .....

1. लोक सुनवाई अधिकारी का नाम: .....
2. परिवादी का नाम: .....
3. परिवाद के विशिष्ट रजिस्ट्रीकरण संख्यांक का संदर्भ और तारीख: .....
4. परिवाद का विषय: .....

5. सुनवाई की तारीख:.....

.....

### विनिश्चय

लोक सूचना अधिकारी  
के हस्ताक्षर

.....

यदि परिवादी विनिश्चय से व्यथित है तो वह प्रथम अपील प्राधिकारी को तीस दिन के भीतर अपील फाइल कर सकेगा: (प्रथम अपील प्राधिकारी के ब्योरे) .....

लोक सुनवाई अधिकारी  
के हस्ताक्षर

### प्ररूप 4

राजस्थान सुनवाई का अधिकार अधिनियम, 2012 के अधीन सुनवाई में संबंधित सूचना

(नियम 8 देखिए)

लोक सुनवाई अधिकारी का नाम: .....

कार्यालय का पता: .....

1	2	3
1.	आवेदन प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति का नाम	: ..... .....
2.	परिवाद की सुनवाई के लिए नियत दिवसों की संख्या	: दिवस .....
3.	परिवाद के निपटारे के लिए नियत समय सीमा	:
4.	प्रथम अपील फाइल करने के लिए समय सीमा	: नियत समय-सीमा के अवसान से विनिश्चय की तारीख से तीस दिवस के भीतर

1	2	3
5.	द्वितीय अपील फाइल करने के लिए समय सीमा :	प्रथम अपील प्राधिकारी के विनिश्चय की तारीख से तीस दिवसों के भीतर
6.	प्रथम अपील प्राधिकारी का नाम और पता :	.....
7.	द्वितीय अपील प्राधिकारी का नाम और पता :	.....
8.	परिवाद पर विनिश्चय की संसूचना की समय सीमा :	

**टिप्पण:** कृपया अपने आवेदन की अभिस्वीकृति अनिवार्य रूप से प्राप्त करें।

### लोक सुनवाई अधिकारी के हस्ताक्षर

#### प्ररूप 5

नामनिर्दिष्ट लोक सूचना अधिकारी के कार्यालय में रखे जाने वाले रजिस्टर का प्ररूप  
(नियम 19 देखिए)

लोक सुनवाई अधिकारी के कार्यालय का नाम: .....  
मास ..... वर्ष .....

क्र. सं.	विशिष्ट रजि.सं.	परिवाद के प्राप्ति की तारीख	आवेदक का नाम और पता	परिवाद का विषय	नियत समय सीमा की अंतिम तारीख	आवेदन मंजूर/नामंजूर/अन्य लो. सु.अधि. को अन्तरित किया गया
1	2	3	4	5	6	7



**प्ररूप 7**

(नियम 19 देखिए)

द्वितीय अपील प्राधिकारी के कार्यालय में रखे जाने वाले रजिस्टर का प्ररूप  
द्वितीय अपील प्राधिकारी के कार्यालय का नाम :

क्र. सं.	द्वितीय अपील फाइल करने की तारीख	परिवाद का विशिष्ट रजि.सं.	अपीलार्थी का नाम और पता	लो. सू. अधि./प्रथम अपील प्राधिकारी का नाम और पता	अपील प्रतिग्रहीत की गयी/ नामंजूर	शास्ति (यदि कोई हो) रु.	विनिश्चय की तारीख	अपीलार्थी को भेजे गये विनिश्चय की सूचना की तारीख
1	2	3	4	5	6	7	8	9

**प्ररूप 8**

(नियम 19 देखिए)

पुनरीक्षण प्राधिकारी के कार्यालय में रखे जाने वाले रजिस्टर का प्ररूप  
पुनरीक्षण प्राधिकारी के कार्यालय का नाम और पता: .....

क्र. सं.	पुनरीक्षण फाइल करने की तारीख	परिवाद का विशिष्ट रजि.सं.	पुनरीक्षण में आवेदक का नाम और पता	लो. सू. अधि./प्रथम अपील प्राधिकारी का नाम और पता	पुनरीक्षण प्रतिग्रहीत किया गया/ नामंजूर	शास्ति (यदि कोई हो) रु.	विनिश्चय की तारीख	भेजे गये विनिश्चय की सूचना की तारीख
1	2	3	4	5	6	7	8	9

[संख्या एफ.13(1) एआरएण्डसी/गुप-1/2012]

राज्यपाल के आदेश से,

डॉ. आर.पी.जैन,

प्रमुख शासन सचिव।

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।



सत्यमेव जयते

राजस्थान राज-पत्र  
विशेषांक

RAJASTHAN GAZETTE  
Extraordinary

साधिकार प्रकाशित

*Published by Authority*

ज्येष्ठ 11, शुक्रवार, शाके 1934-जून 1, 2012  
*Jyaistha 11, Friday, Saka 1934-June 1, 2012*

भाग 4 (ग)

उप-खण्ड (I)

राज्य सरकार तथा अन्य राज्य-प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये  
(सामान्य आदेशों, उप-विधियों आदि को सम्मिलित करते हुए)  
सामान्य कानूनी नियम।

**ADMINISTRATIVE REFORMS & COORDINATION  
DEPARTMENT  
(GROUP-1)  
NOTIFICATION  
Jaipur, June 1, 2012**

**G.S.R. 15.**-In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 12 of the Rajasthan Right to Hearing Act, 2012 (Act No. 22 of 2012), the State Government hereby makes the following rules, namely:-

**1. Short title and commencement.**- (1) These rules may be called the Rajasthan Right to Hearing Rules, 2012.

(2) They shall come into force on and from 11<sup>th</sup> June, 2012.

**2. Definitions.**- (1) In these rules unless the context otherwise requires,-

(a) “**Act**” means the Rajasthan Right to Hearing Act, 2012 (Act No. 22 of 2012);

(b) “**Centre**” means Information and Facilitation Centre established under section 5 of the Act;

(c) “**Form**” means the Form appended to these rules; and

(d) “**Section**” means the section of the Act.

(2) The words and expression used in these rules but not defined shall have the same meaning as assigned to them in the Act.

**3. Complaint.**- (1) A person who desires hearing under the Act shall make a complaint to the Public Hearing Officer in

Form 1 or on plain paper specifying the name and address of the complainant and particulars of complaint.

(2) The complaint shall be received by the Public Hearing Officer or any other officer or employee authorised by him or In-charge of the Centre.

(3) The Public Hearing Officer or the person authorised by him or Centre shall provide Form 1 to the person who desires to file complaint and shall assist to fill the Form 1 or make complaint on plain paper, as the case may be.

(4) On receipt of complaint, a unique registration number shall be given on each complaint by the Public Hearing Officer or person who receive the complaint and such unique registration number shall be used at all levels i.e. hearing of complaint, first appeal, second appeal and in the revision.

**4. Acknowledgement.-** On receipt of the complaint, the Public Hearing Officer or the person or Centre authorised by him shall give acknowledgement of complaint to the complainant in Form 2.

**5. Transfer of complaint.-** Where a complaint is made to the Public Hearing Officer and he is of view that the subject matter of the complaint is connected with the functions of another Public Hearing Officer or falls in the jurisdiction of another Public Hearing Officer, he shall transfer the complaint to such another Public Hearing Officer and inform the complainant within seven days about such transfer.

**6. Days of Hearing.-** Every Public Hearing Officer shall fix at least two days in a week for hearing of the complaints received under the Act and same shall be notified in Form 4 on the notice board of his office.

**7. Hearing of Complaint.-** The Public Hearing Officer on receipt of the complaint shall, within the stipulated time limit, provide an opportunity of hearing to the complaint and decide the same. The Public Hearing Officer shall communicate his decision, in Form 3 to the complainant within stipulated time limit.



**8. Display of information on the notice board.-** The Public Hearing Officer shall display, on the notice board in Form 4, all relevant information relating to hearing under the Act. The notice board shall be installed at a conspicuous place of the office of Public Hearing Officer.

**9. Computation of stipulated time limit.-** While computing the stipulated time limit under these rules the public holiday shall not be counted.

**10. Denial or delay in providing hearing.-** The Public Hearing Officer shall, within the stipulated time limit, give an opportunity of hearing to complainant and in case the opportunity of hearing is denied or delayed and the decision is not communicated within the stipulated time limit, the Public Hearing Officer shall communicate to the complainant,-

- (i) the reasons for such denial or delay;
- (ii) the period within which an appeal against such denial or delay may be preferred; and
- (iii) the information about the relevant Appellate Authority.

**11. Fee.-** No fee shall be payable along with complaint, memo of first appeal or second appeal and revision application.

**12. Contents of memo of first appeal or second appeal and revision application.-** Every memo of first appeal or second appeal and revision application shall specify the following information,-

- (i) name and address of the appellant or applicant at revision, as the case may be;
- (ii) name and address of the Public Hearing Officer, officer or employee treated as designated officer under the provision of sub-section (3) of section 4 of the Act, first Appellate Authority or second Appellate Authority, as the case be, against whose order or who delayed or denied, appeal or revision preferred;

- (iii) particulars of the order against which the appeal or revision preferred;
- (iv) if the appeal is against the refusal of acknowledgement of the complaint, the date of complaint and the name and address of the Public Hearing Officer to whom the complaint was presented;
- (v) the grounds for appeal or revision;
- (vi) the relief sought; and
- (vii) any other relevant information which is necessary for the disposal of appeal or revision.

**13. Documents to be enclosed with first appeal, second appeal or revision.-** The following documents shall be enclosed with memo of appeal or revision application, namely:-

- (i) self-attested copy of the order against which the appeal or revision is preferred;
- (ii) the copies of the documents mentioned in the memo of appeal or revision application; and
- (iii) the index of the documents enclosed with the memo of appeal or revision application.

**14. Procedure for deciding first appeal, second appeal or revision.-** While deciding the first appeal, second appeal or revision,-

- (i) the relevant documents, public documents or copies thereof shall be inspected;
- (ii) any officer may be authorised for appropriate inquiry, if required; and
- (iii) the Public Hearing Officer or first Appellate Authority, as the case may be, may be heard in revision.

**15. Service of notice of hearing.-** The notice of hearing of first appeal, second appeal or revision, as the case may be, shall be served in any of the following manner, namely:-

- (i) by the party or person himself;

- (ii) through process server;
- (iii) by the registered post with due acknowledgement: or
- (iv) through the department concerned.

**16. Personal appearance.-** (1) The appellant or applicant at revision, as the case may be, shall be intimated with the date of hearing, at least seven clear days prior to such date of hearing.

(2) The appellant or applicant at revision, as the case may be, may present in person at the time of hearing of appeal or revision, or may opt not to present in the hearing.

(3) If it is satisfied that the circumstances exist due to which the appellant or applicant at revision is prevented to be present in hearing, then before taking the final decision one opportunity of hearing shall be given by the Appellate or Revision Authority, as the case may be, to the appellant or applicant at revision or may take any other appropriate action as he may deems fit.

(4) If any party remains absent after due service of notice of the fixed date of hearing, then the appeal or revision application, as the case may be, shall be disposed in his absence.

**17. Order in an appeal or revision.-** (1) The order of appeal or revision shall be pronounced in open proceedings and shall be passed in writing by the Appellate Authority or Revision Authority, as the case may be.

(2) Copy of the order of first Appellate Authority shall be given to the appellant and concerned Public Hearing Officer free of cost.

(3) Copy of the order of second Appellate Authority shall be given to the appellant, concerned Public Hearing Officer and first Appellate Authority.

(4) In case of imposing penalty, the second Appellate Authority shall also endorse a copy of the order to the concerned,-

- (a) Drawing and Disbursing Officer, with the direction to recover the amount of penalty from next salary of the Public Hearing Officer; and

(b) Treasury Officer.

(5) In case where the second Appellate Authority recommend for the departmental enquiry against the Public Hearing Officer or the officer or employee authorised by the Public Hearing Officer, first Appellate Authority, as the case may be, he shall send the copy of order passed by him for necessary disciplinary action to the disciplinary authority concerned.

(6) Where in a revision, the order of second Appellate Authority is revised or modified, the Revision Authority shall send a copy of the said order to the second Appellate Authority and the officers specified in sub-rule (4) and (5).

**18. Recovery of penalty.-** (1) On receipt of order of imposition of penalty under section 7 of the Act, the Drawing and Disbursing Officer subject to any order passed by the Revision Authority, shall recover the amount of penalty from the next salary of the concerned Public Hearing Officer and deposit the same in the government account and send a copy of challan to the second Appellate Authority concerned.

(2) If in revision any order passed by the second Appellate Authority is revised or modified the copy of such order shall be sent to the Drawing and Disbursing Officer and Treasury Officer concerned for compliance.

**19. Maintenance of record.-** The Public Hearing Officer, first Appellate Authority, second Appellate Authority and Revision Authority shall maintain the record of the cases in Form 5, Form 6, Form-7 or Form 8, as the case may be.

**20. Establishment of Information and Facilitation Centre.-** (1) The State Government may establish Information and Facilitation Center which may include establishment of customer care centers, call centers, help desks and people's support centers or any other e-mitra, Rajiv Gandhi Seva Kendra or other institutions authorised to act as Information and Facilitation Center.

(2) If the complaint is received by any Information and Facilitation Center authorised for receiving complaints, the In-charge of the Information and Facilitation Center shall transfer the same immediately to the Public Hearing Officer concerned and the time taken in such transfer shall not be counted in the stipulated time limit.

(3) The unique registration number given on complaint and action taken on complaint or transfer of complaint may also be made online for efficient and effective hearing of grievance of the people.

(4) A State wide net work may be developed by the State Government to receive, register and monitor the complaints.

**21. Monitoring of implementation.**— The State Government may introduce a system for centralized monitoring of the timely hearing of complaints and for use of Information and Communication Technologies for implementing and monitoring the various provisions of the Act.

**22. Dissemination and training.**— The State Government may, to the extent of availability of financial and other resources,-

- (i) develop and organize campaigns and programmes to advance the understanding of the public, in particular of the disadvantaged communities, as to how to exercise the rights contemplated under the Act;
- (ii) encourage public authorities to participate in the development and organization of programmes referred to in clause (i) above and to undertake such programmes themselves;
- (iii) promote timely and effective dissemination of accurate information by public authorities about the hearing of complaints and timelines and the processes for complaints;
- (iv) train the Public Hearing Officer, first Appellate Authority, second Appellate Authority and Revision Authority of their duties under the Act;

- (v) compile a guide containing such information, in an easily comprehensible form and manner, as may reasonably be required by a person who wishes to exercise any right specified under the Act; and
- (vi) update and publish guidelines referred to in clause (v) above at regular intervals which shall, in particular and without prejudice to the generality of the clause (v) above, include-
- (a) the objects of the Act;
  - (b) the manner and the form in which request for the hearing shall be made to the Public Hearing Officer or file appeal to the Appellate Authorities;
  - (c) any additional regulations or circulars made or issued in relation to obtain the opportunity of hearing under the Act.

**23. Direction by the State Government.-** The State Government may issue any directions, from time to time, for effective implementation of the provisions of the Act, superintendence of the cases filed under the Act and for the inspection of the offices of the Public Hearing Officer, first Appellate Authority, second Appellate Authority, Revision Authority and Drawing and Disbursing Officer.

### Form 1

### FORM OF APPLICATION

(See rule 3)

To,

The Public Hearing Officer,

.....

.....

(Name of the Public Hearing Officer &  
Office Address)

1. Name of the complainant: .....
2. Father's Name: .....

3. Address:.....  
Contact No./Mobile No.....
4. Complaint:  
(a) Benefit or relief claimed:  
.....  
.....  
.....  
(separate sheet may be attached)  
(b) Name of officer and department to which complaint  
relates:  
.....
5. If documents annexed in support of complaint, details of  
documents:  
(i)  
(ii)  
(iii)
6. If complaint made earlier: Yes/No  
(If, yes give the name of officer/Department)
7. Reply received on the earlier Yes/No  
complaint:  
(If yes, give details of reply)
8. Any other information which the application may like to  
mention: .....

Date: .....

**Signature of complainant**

(Please obtain acknowledgement of your complaint compulsorily)

**Form 2**  
**ACKNOWLEDGEMENT**

(See rule 4)

**Unique Registration No.** ..... **Date :** .....

1. Name of the complainant: .....
2. No. of document annexed with complaint : .....
3. Date fixed for hearing of the complaint: .....
4. Any other particular, the Public Hearing Officer may like to mention: .....

Place: .....

Date: .....

**Signature of Recipient**  
**Name and Designation with seal**

**Form 3**

(See rule 7)

Name of the office/department: -----

**No.** .....

**Date:** .....

1. Name of the Public Hearing Officer : -----
2. Name of the complainant: -----
3. Reference of Unique Registration Number of the complaint and date: -----
4. Subject of the Complaint: -----
5. Date of Hearing: -----

Decision

Signature of Public Hearing Officer

-----  
If the complainant aggrieved by the decision he may file an appeal within thirty days to the first Appellate Authority: (details of first



Appellate Authority) -----  
-----

Signature of Public Hearing Officer

**Form 4**

**INFORMATION RELATING TO HEARING UNDER  
THE RAJASTHAN RIGHT TO HEARING ACT, 2012**

(See rule 8)

Name of the Public Hearing Officer: .....

Office Address:.....

1	Name of the person authorised to receive the application	:	----- ----- -----
2	Days fix for hearing the complaint	:	days -----
3	Stipulated time limit for disposal of complaint	:	
4	Time limit for filing the first appeal	:	Within thirty days from the expiry of stipulated time limit or from the date of decision.
5	Time limit for filing the Second appeal	:	Within thirty days from the date of decision of the first Appellate Authority.
6	Name and Address of the first Appellate Authority	:	----- ----- -----
7	Name and Address of the second Appellate Authority	:	----- -----
8	Time limit of communication of the decision on the complaint	:	

Note: Please obtain acknowledgement of your application compulsorily.

**Signature of Public Hearing Officer**



**Form-7**

(See rule 19)

**FORM OF REGISTER TO BE MAINTAINED IN THE OFFICE OF SECOND APPELLATE AUTHORITY**

Name of the office of the second Appellate Authority: .....

S. No.	Date of filing second appeal	Unique Reg. No. of complaint	Name & address of appellant	Name & address of the PHO/ First Appellate Authority	Appeal accepted/ rejected	Penalty (If any) Rs.	Date of Decision	date of intimation the decision sent to the appellant
1	2	3	4	5	6	7	8	9

**FORM-8****FORM OF REGISTER TO BE MAINTAINED IN THE OFFICE OF REVISION AUTHORITY**

(See rule 19)

Name and address of the office of the Revision Authority: .....

S. No.	Date of filing the revision	Unique Reg. No. of complaint	Name & address of applicant at revision	Name & address of the PHO/ first Appellate Authority	Revision accepted/ rejected	Penalty (If any) Rs.	Date of Decision	date of intimation the decision sent
1	2	3	4	5	6	7	8	9

**[No. F. 13(1) AR&C/Gr.I/2012]****By Order of the Governor,**

डॉ. आर.पी. जैन,

**Principal Secretary to the Government.****Government Central Press, Jaipur.**



सत्यमेव जयते

राजस्थान राज-पत्र  
विशेषांक

RAJASTHAN GAZETTE  
Extraordinary

साधिकार प्रकाशित

(Published by Authority)

आषाढ 29, शुक्रवार, शाके 1934—जुलाई 20, 2012  
Asadha 29, Friday, Saka 1934—July 20, 2012

भाग 4 (ग)

उप-खण्ड (I)

राज्य सरकार तथा अन्य राज्य प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये (सामान्य आदेशों, उप-विधियों आदि को सम्मिलित करते हुए) सामान्य कानूनी नियम।

प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग  
(ग्रुप-1)

अधिसूचना

जयपुर, जुलाई 20, 2012

**जी.एस.आर. 36:**— राजस्थान सुनवाई का अधिकार अधिनियम, 2012 (2012 का अधिनियम संख्या 22) की धारा 12 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार, राजस्थान सुनवाई का अधिकार नियम, 2012 को और संशोधित करने के लिए इसके द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ** :- (1) इन नियमों का नाम राजस्थान सुनवाई का अधिकार नियम, 2012 है।  
(2) नियम 1 संशोधन :- राजस्थान सुनवाई का अधिकार नियम, 2012 के नियम 1 के उप नियम (2) में, विद्यमान अभिव्यक्ति "11 जून, 2012" के स्थान पर अभिव्यक्ति "1 अगस्त, 2012" प्रतिस्थापित की जायेगी।

(संख्या 13 (1) प्र.सु./सम./अनु-1/2012)

राज्य के आदेश से,  
डॉ. आर.पी. जैन,  
प्रमुख शासन सचिव।



सत्यमेव जयते

राजस्थान राज-पत्र  
विशेषांक

RAJASTHAN GAZETTE  
Extraordinary

साधिकार प्रकाशित

Published by Authority

आषाढ 29, शुक्रवार, शाके 1934—जुलाई 20, 2012  
Asadha 29, Friday, Saka 1934—July 20, 2012

**Administrative Reforms & Coordination  
Department  
(Group-1)  
Notification  
Jaipur, July 20, 2012**

G.S.R. 36- In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 12 of the Rajasthan Right to Hearing Act, 2012 (Act No. 22 of 2012), the State Government Hereby makes the following rules further to amend the Rajasthan Right Hearing to Rules, 2012 namely :-

1. Short title and commencement – (1) These rules may be called the Rajasthan Right to Hearing (Amendment) Rules, 2012.  
(2) They shall come into force from the date of their publication in the official Gazette.
2. Amendment of rule 1.- In sub-rule (2) of rule 1 of the Rajasthan Right to Hearing Rules, 2012, for the existing expression "11 June, 2012", the expression "1 August, 2012" shall be substituted.

[No. 13 (1) AR&C/Gr.1/2012]

By order of the Governor,

**Dr. R.P. Jain,**

Principal Secretary to Government